भारत का कृषि जलवायविक प्रदेश
Agro Climatic Region of India

बोलेन्द्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक भूगोल,
राजा सिंह कॉलेज सिवान

भारत एक विशाल देश है । यहां उच्चावच, जलवायु तथा मृदा संबंधी विविधताएँ स्वभाविक है । इन विविधताओं के कारण यहां का कृषि प्रारूप भी प्रभावित होता है । कृषि नियोजन तथा विकास के लिए योजना आयोग तथा राष्ट्रीय दूर-संवेदन एजेंसी ने देश को 15 कृषि जलवायु प्रदेशों में बांटा है जिस का मुख्य आधार प्राकृतिक, सामाजिक तथा आर्थिक विशेषताएं हैं ।

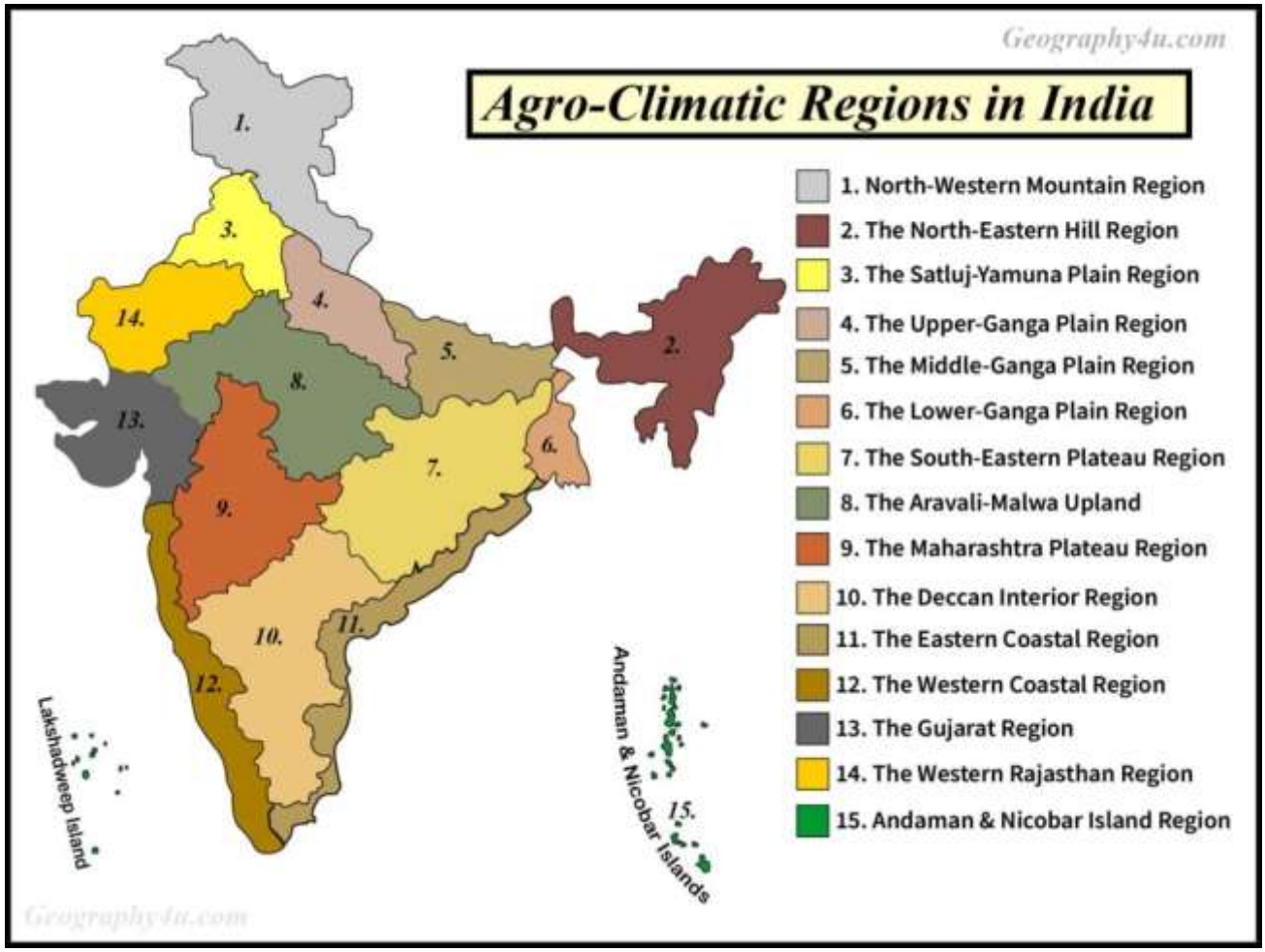

चित्र स्रोत: https://geography4u.com/tag/agro-climatic-regions-in-india/

भारत के कृषि-जलवायु प्रदेश निम्नलिखित हैं:

1. उत्तर पश्चिम पर्वतीय प्रदेश
2. उत्तर पूर्वी प्रदेश

3. सतलज यमुना मैदान
4. गंगा का ऊपरी मैदान
5. गंगा का मध्य मैदान
6. गंगा का निचला मैदान
7. दक्षिण पूर्व पठारी प्रदेश
8. अरावली मालवा पठार
9. महाराष्ट्र का पठारी प्रदेश
10. अंतर पर्वतीय दक्कन प्रदेश
11. पूर्वी तट
12. पश्चिमी तट
13. गुजरात प्रदेश
14. पश्चिमी राजस्थान तथा
15. अंडमान व निकोबार एवं लक्ष्य दीप समूह

1. उत्तर-पश्चिमी पर्वतीय प्रदेश

इसका विस्तार जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड में विस्तृत है । इस क्षेत्र की प्रमुख विशेषताओं में ऊंची हिमाच्छादित पर्वतीय चोटियां, उबड़-खाबड़ भूमि, तीव्र ढाल से उतरती हुई सदावाहिनी नदियां, घने वन तथा मृदा की पतली परत है । यहां गर्मी कम पड़ती है परंतु शीतऋतु बड़ी कठोर होती है और तापमान हिमांक से कम हो जाता है । ऐसी परिस्थिति में कृषि कार्य सीमित क्षेत्र तक ही किया जा सकता है । कृषि संबंधित क्रियाकलाप मुख्यतः कश्मीर घाटी, दून प्रदेश तथा चंबा घाटी तक ही सीमित है । प्रमुख फसलें चावल, मक्का, जौ, गेहूं, जई, फलियां आदि हैं । लद्दाख की सुरू तथा नुब्रा घाटी में गेहूं की फसल जुलाई-अगस्त में काटी जाती है । यह प्रदेश फलों की कृषि के लिए भी विख्यात है । सोपोर, श्रीनगर, बारामुला, कुल्लू, मनाली, शिमला, कांगड़ा, रानीखेत तथा अल्मोड़ा सेब के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है । इसके अतिरिक्त यहां पर खुमानी, बादाम, अखरोट, लीची, चेरी, नाशपाती, लकौठ तथा उच्च कोटि का केसर भी पैदा किया जाता है । 2,000 मी० से अधिक ऊंचाई पर स्थित अल्पाइन चरागाहों को ढोक अथवा मार्ग कहते हैं । इन जगहों पर गुर्जर, बकरवाल तथा गद्दी चरवाहे अपनी भेड़-बकरियां व अन्य मवेशियों को चराते हैं । .....क्रमशः

- सन्दर्भ: TMH भूगोल डी० आर० खुल्लर, एनसीईआरटी, इन्टरनेट